



दी नैक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

पिता को कुल्हाड़ी से काट डाला

5

राम मंदिर दान चोरी

8

कौन हैं प्रेमा रावत?—24 साल की लेग स्पिनर को मिला टी20 त्रिवक्क का टिकट

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 03, अंक: 52

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 22 जून, 2026



योगी ने अयोध्या में रामायण वैक्स म्यूजियम का किया उद्घाटन



राम मंदिर दान में डाका

जैसे निर्देश, वैसा ही करते थे, इसलिए ट्रस्ट पदाधिकारियों के आगे नतमस्तक थे बैंक अफसर

लखनऊ, संवाददाता

राम मंदिर के चढ़ावे में हुए घोटाले की जांच जारी है। जांच में चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। बैंक अधिकारी ट्रस्ट पदाधिकारियों के आगे नतमस्तक रहते थे। बैंक कर्मियों की गणना प्रक्रिया में अहम भूमिका थी। घोटाले की जांच में मिले लापरवाही के साक्ष्य मिले हैं। गिनती प्रक्रिया की निर्धारित गाइडलाइन में से केवल 10 प्रतिशत का ही पालन किया गया था। राम मंदिर की दान राशि हेरफेर के मामले में बैंक कर्मियों की भूमिका भी बेहद गंभीर मानी जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने भी अपने एक साक्षात्कार में इसको लेकर सवाल उठाए थे। एसआईटी को

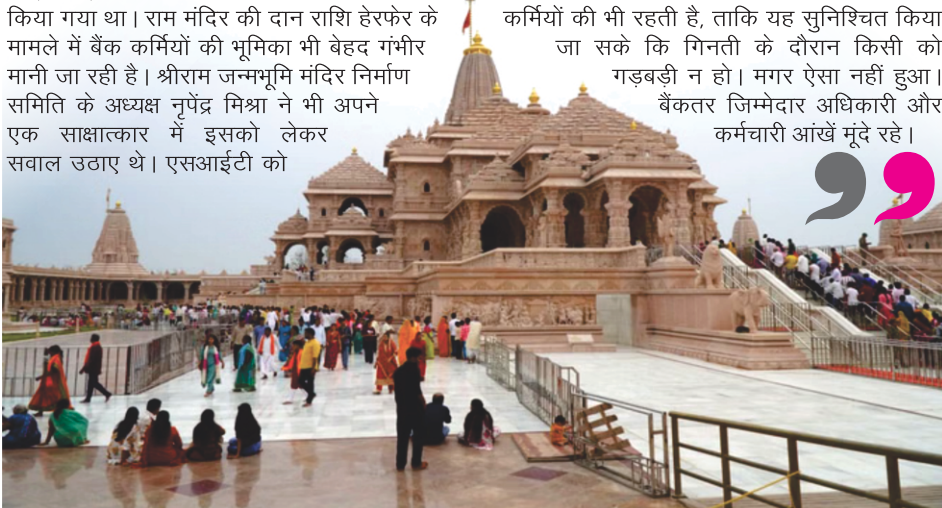
बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही और संभावित मिलीभगत के कुछ साक्ष्य मिले हैं। हालांकि हकीकत यह भी है कि ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कर्मचारियों के सामने बैंक कर्मों नतमस्तक रहते थे। उन्हें वहां से जैसे निर्देश मिलते थे, वे वैसा ही करते थे, क्योंकि ट्रस्ट के पदाधिकारियों की पहुंच और प्रभाव का सभी को अंदाजा था। दरअसल, गिनती प्रक्रिया में जितनी भूमिका ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की होती है, उतनी ही संबंधित बैंक के कर्मियों की भी रहती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गिनती के दौरान किसी को गड़बड़ी न हो। मगर ऐसा नहीं हुआ। बैंकतर जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी आंखें मूंदे रहे।

बैंक अधिकारी रहे खामोश

सूत्रों ने बताया कि बैंक ने यह काम एक निजी कंपनी को सौंप रखा था। कंपनी आउटसोर्सिंग के जरिये कर्मचारियों की भर्ती कर उन्हें गणना प्रक्रिया में लगाती थी। बैंक ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने ही अपने समे—संबंधियों, परिचितों और उनके करीबियों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती कराया था, इसलिए बैंक अधिकारी भी खामोश रहे। एक तरह से ट्रस्टी और उनके कर्मचारी जो चाहते थे, वही होता था।

45 दिन का ही सीसीटीवी बैंकअप

राम मंदिर दान की राशि चोरी करने के मामले में एसआईटी को सुबूत जुटाना बेहद चुनौतीपूर्ण है। सबसे अहम सुबूत सीसीटीवी फुटेज हैं, लेकिन उसमें छेड़छाड़ के सुबूत पहले ही मिल चुके हैं। वहीं सबसे अहम बात यह है कि वहां लगे कैमरों का बैंकअप 45 दिनों का ही है। ऐसे में कई वर्षों की फुटेज जुटाना संभव नहीं है। हालांकि एसआईटी मामले की फॉरेंसिक जांच कराएगी, जिससे प्रयास होगा कि अधिक से अधिक दिनों की फुटेज रिकवर हो जाए। यही वजह है कि पूछताछ में आए तथ्य मामले में बेहद अहम होने वाले हैं।



खुद को यूपी का एडीएम बताने वाला गिरफ्तार, ठगे 60 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट टीम ने एक बड़े ठगी के मामले का पर्दाफाश किया है। टीम ने पवन कुमार पांडेय उर्फ वरुण कुमार पांडे नाम के एक आदतन जालसाज को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने खुद को उत्तर प्रदेश का एडीएम बताकर लोगों का विश्वास जीता और सरकारी नौकरियों तथा नोएडा में प्लॉट आवंटन का झांसा देकर करीब 60 लाख रुपये ठग लिए। मार्च में शुरू हुई थी जांच 23 मार्च को पीपी सिधुपुरा, पुलिस स्टेशन डीबीजी रोड में शिकायत दर्ज कराई गई थी। आरोपी पवन कुमार पांडे ने खुद को वरुण कुमार पांडे, एडीएम, उत्तर प्रदेश बताकर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से करीबी संबंध होने का झूठा दावा किया। सरकारी नौकरियों दिलाने और नोएडा में सरकारी नीति के तहत प्लॉट आवंटन कराने के झूठे वादे पर उसने शिकायतकर्ता और उनके सहयोगियों को धोखा दिया और लगभग 60 लाख रुपये ठग लिए।

सड़कें बनीं मौत का सफर

गोरखपुर मंडल में 2025 में 2884 हादसे, 1595 लोगों की गई जान—ब्लैक स्पॉट पर इंतजाम अधूरे

गोरखपुर, संवाददाता। सड़क सुरक्षा अभियान और प्रशासनिक दावों के बीच गोरखपुर मंडल की सड़कें लगातार जानलेवा साबित हो रही हैं। वर्ष 2025 के आंकड़े चौकाने वाले हैं। मंडल के सात जिलों में 2884 सड़क दुर्घटनाओं में 1595 लोगों की मौत हुई जबकि 1751 लोग घायल हुए। अमर उजाला की पड़ताल में सामने आया कि चिह्नित ब्लैक स्पॉट और टी-वाई जंक्शन पर सुरक्षा इंतजाम अब भी कमजोर हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर चल रहे अभियान और प्रशासनिक दावों के बीच गोरखपुर मंडल की सड़कें लगातार जानलेवा साबित हो रही हैं। वर्ष 2025 के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। मंडल के सात जिलों में 2884 सड़क दुर्घटनाओं में 1595 लोगों की मौत हुई, जबकि 1751 लोग घायल हुए। कई चिह्नित ब्लैक स्पॉट और टी-वाई जंक्शन पर सुरक्षा इंतजाम अभी भी कमजोर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, खराब सड़क डिजाइन, तेज रफ्तार, अवैध कट, अतिक्रमण और संकेतकों की कमी हादसों की बड़ी वजह बन रही है। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज कई ब्लैक स्पॉट आज भी दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील बने हुए हैं। गीडा के कालेसर जीरो पॉइंट, दानापानी और नौसड़, खोराबार के रामनगर कड़जहा, सहजनवां के भीटी रावत, गुलरिहा के सरैया बाजार और कैंट क्षेत्र के नहर पुलिसिया मोहदीपुर जैसे स्थानों पर हादसों का सिलसिला जारी है। इन जगहों पर कई बार चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर और दिशा संकेतक लगाने की जरूरत बताई गई, लेकिन कई स्थानों पर इंतजाम धरातल पर नजर नहीं

आते।

पड़ताल-1 — एसआरसी घोषित, फिर भी नहीं सुरक्षा इंतजाम

गोला क्षेत्र के भरोह स्थित रामजानकी मार्ग पर 26 अप्रैल को हुए हादसे को जिले का पहला स्पेशल रिपोर्ट केस (एसआरसी) घोषित किया गया था। गेहूं लदी ट्रॉली और स्कॉर्पियो की टक्कर में तीन युवकों की मौत हुई थी। जांच में सड़क की स्थिति, वाहन गति, फिटनेस और अवैध कट की समीक्षा होनी थी, लेकिन डेढ़ महीने बाद भी मौके पर स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए।

पड़ताल-2 — कंचनपुर में रोजाना बना रहता है खतरा

मेडिकल रोड का कंचनपुर क्षेत्र भी दुर्घटनाओं का बड़ा केंद्र बन चुका है। सड़क किनारे अतिक्रमण, अव्यवस्थित मोड़ और तेज रफ्तार वाहन यहां हादसों का कारण बन रहे हैं। स्थानीय लोग लंबे समय से यातायात व्यवस्था सुधारने और संकेतक लगाने की मांग कर रहे हैं। जून में अब तक इस क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की जान जा चुकी है और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। चिह्नित संवेदनशील स्थलों पर संबंधित विभागों के माध्यम से जरूरी कार्य कराए जा रहे हैं। जल्द ही चेतावनी संकेतक, ब्लैक स्पॉट बोर्ड और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएंगे।

अमित श्रीवास्तव, एसपी ट्रैफिक



PM मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं



'महान नेता, युद्धों से रहते दूर' पीएम मोदी के मुरीद हुए राष्ट्रपति ट्रंप



अयोध्या में जांच के बीच भी आस्था पर कोई 'आंच' नहीं

श्रद्धालु चले-योगी सरकार कर सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई



भारत में मिला सोने का नया भंडार 4 ठिकानों से निकलेगा हजारों करोड़ का गोल्ड



ओडिशा में 2 युवकों की कराई गई शादी

इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए निर्माई गई सदियों पुरानी रस्म

सम्पादकीय

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चोर—डकैत भी हैं। यह सुनकर और निरंतर खबरों को खंगाल कर यह सच सामने आ रहा है कि भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक—आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर—डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा—चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपितों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान—चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है! प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन—मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे चोर—डकैत कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा—व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन इतने व्यापक अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? प्राथमिकी नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी ‘आर्थिक भीतरघात’ भी है, क्योंकि आरोपित वे बताए जा रहे

हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक ‘संगठित गिरोह’ ने आकार ले लिया है? कोई अकेला—दुकेला इतनी बड़ी चोरी—डकैती नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी—डकैती ‘महापाप’ है और चोर असहनीय दैहिक और आत्मिक कष्टों को झेलेंगे। कीड़े पड़ेंगे उनमें! बहरहाल 2024—25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजाना! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण—प्रतिष्ठा की गई थी। अत्यंत भव्य कार्यक्रम था। कई आंखें डबडबा रही थीं। इस पुण्य अवसर पर देश के प्रधानमंत्री और असंख्य साधु—संत उपस्थित थे। किसी ने ऐसी चोरी—डकैती की कल्पना तक नहीं की थी। यदि इन अढ़ाई सालों में ही 200 करोड़ रुपए की चोरी—डकैती मान लें, तो उस हिसाब से करीब 27 लाख रुपए की हररोज चोरी की गई। राम मंदिर में ऐसा सुरक्षा—तंत्र है, सीसीटीवी की 24 घंटे निगरानी है, नकदी की गिनती, उसे बैंक तक ले जाने और अन्य मूल्यांकन की परतें कई हैं, लिहाजा ऐसी चोरी संभव नहीं लगती, लेकिन पुराने कारसेवक संतोष दुबे और एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने राम जनभूमि पुलिस स्टेशन में शिकायतें दर्ज कराई हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उग्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चढ़ावा—चोरी के आरोप लगाए हैं। एक हिंदूवादी नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर हस्तक्षेप करने की मांग की है। यकीनन यह बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, 2027 के विधानसभा चुनाव का बुनियादी मुद्दा भी बन सकता है। अखिलेश यादव समेत पूरा विपक्ष इस ताक में रहेगा कि भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा के दावों की पोल खोली जाए। जनता से अपने लिए समर्थन जुटाने की भी अखिलेश की कोशिश रहेगी।

आना मानसून का समय पर

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री—मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा— ‘लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!’ मुख्यमंत्री बौखला गए, ‘यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार मानसून को टालने के उपाय।’ मैं बोला— ‘जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।’ मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले— ‘सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे—अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।’ ‘तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।’ मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले— ‘वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉंपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूँदा—बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही जहां इसकी जरूरत नहीं है।’ ‘ऐसा नहीं हो सकता कि वर्षा जोरों से आए और बाढ़ आ जाए?’ ‘हां, फिर वर्षा आए तो इतनी जोरों से कि बाढ़ से जनजीवन त्रस्त हो जाए। बाढ़—राहत का कार्य भी ऐसा ही है। जिसमें सारा मंत्रिमंडल उनके अमचों—चमचों सहित व्यस्त रहता है।’ मुख्यमंत्री ने कहा। मैं बोला— ‘सच तो यह है मुख्यमंत्री जी कि मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए।’ ‘लेकिन करें क्या?’ तभी वहां मंत्री जी आ धमके और सिर लटकाकर मुख्यमंत्री जी से बोले— ‘आज का पेपर पढ़ा आपने?’ ‘हां, पढ़ा है। इस बार मानसून समय पर आ रहा है।’ ‘हमें क्या करना है?’ ‘कार्यकर्ताओं से कहो कि जल्दी बाढ़ राहत शुरू करवाएंगे। बाढ़ आए या नहीं, हम केवल सामान्य वर्षा को भी जल प्लावन में तब्दील कर देंगे।’ ‘लेकिन एक प्रॉब्लम है, सूखे—अकाल में जो थोड़े—बहुत काम हुए हैं वे बह जाएंगे।’ ‘आप कमाल करते हैं। फिजूल की चिंता करते हैं। असली चिंता तो यह है कि राहत की कटौती हो जाएगी। चुनाव नजदीक हैं। बैंक बैलेंस नहीं बनाया तो कौन टिकट देगा और कौन वोट! तुम्हें पता होना चाहिए हमारे आलाकमानों ने स्विस् बैंकों में करोड़ों के खाते खोले हैं और हम अभी लाखों भी नहीं कमा सके कि मानसून समय पर आ गया।’ मैं बोला— ‘तो हो क्या गया। अगली बार विलंब से आ जाएगा मानसून, फिर कमा लेना।’ मंत्री बोले— ‘कब मुख्यमंत्री बदल जाएं और पुनर्गठन में कब हमारा पत्ता साफ हो जाए, कह नहीं सकते।

आना मानसून का समय पर

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री—मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा— ‘लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!’ मुख्यमंत्री बौखला गए, ‘यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार मानसून को टालने के उपाय।’ मैं बोला— ‘जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।’ मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले— ‘सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे—अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।’ ‘तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।’ मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले— ‘वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉंपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूँदा—बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही जहां इसकी जरूरत नहीं है।’ ‘ऐसा नहीं हो सकता कि वर्षा जोरों से आए और बाढ़ आ जाए?’ ‘हां, फिर वर्षा आए तो इतनी जोरों से कि बाढ़ से जनजीवन त्रस्त हो जाए। बाढ़—राहत का कार्य भी ऐसा ही है। जिसमें सारा मंत्रिमंडल उनके अमचों—चमचों सहित व्यस्त रहता है।’ मुख्यमंत्री ने कहा। मैं बोला— ‘सच तो यह है मुख्यमंत्री जी कि मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए।’ ‘लेकिन करें क्या?’ तभी वहां मंत्री जी आ धमके और सिर लटकाकर मुख्यमंत्री जी से बोले— ‘आज का पेपर पढ़ा आपने?’ ‘हां, पढ़ा है। इस बार मानसून समय पर आ रहा है।’ ‘हमें क्या करना है?’ ‘कार्यकर्ताओं से कहो कि जल्दी बाढ़ राहत शुरू करवाएंगे। बाढ़ आए या नहीं, हम केवल सामान्य वर्षा को भी जल प्लावन में तब्दील कर देंगे।’ ‘लेकिन एक प्रॉब्लम है, सूखे—अकाल में जो थोड़े—बहुत काम हुए हैं वे बह जाएंगे।’ ‘आप कमाल करते हैं। फिजूल की चिंता करते हैं। असली चिंता तो यह है कि राहत की कटौती हो जाएगी। चुनाव नजदीक हैं। बैंक बैलेंस नहीं बनाया तो कौन टिकट देगा और कौन वोट! तुम्हें पता होना चाहिए हमारे आलाकमानों ने स्विस् बैंकों में करोड़ों के खाते खोले हैं और हम अभी लाखों भी नहीं कमा सके कि मानसून समय पर आ गया।’ मैं बोला— ‘तो हो क्या गया। अगली बार विलंब से आ जाएगा मानसून, फिर कमा लेना।’ मंत्री बोले— ‘कब मुख्यमंत्री बदल जाएं और पुनर्गठन में कब हमारा पत्ता साफ हो जाए, कह नहीं सकते। समय कम है और काम ज्यादा।

टच कीजिए टच—स्क्रीन!

जीवन का एक बहुत सरल नियम है, जो इनसान की पूरी दुनिया बदल सकता है। मन की बात कह मन में रखने के बजाय कह देनी चाहिए। उसे हम भीतर न दबाएं। लिखें तो भेज भी दें। बहुत देर होने से पहले ही कह भी दें और याद रखें कि जीवन में मिले लोगों और ईश्वर की कृपाओं के प्रति अपना प्रेम और आभार बिना झिझक जताते रहें। हमारा हृदय आधुनिक स्मार्ट फोन की टच—स्क्रीन की तरह का है। इसे टच करते रहें, छूते रहें, मन को सहलाते रहें, दुलारते रहें तो प्रेम बना रहेगा, रिश्तों की मिठास बनी रहेगी। मां—बाप की व्यस्तता के बीच अकेलेपन से जूझ रहे बच्चे जब अपने मन की बात किसी को नहीं कह पाते तो गलत राहों पर मुड़ जाते हैं। मोबाइल फोन, इंटरनेट और गलत संगत उन्हें किसी भी ऐसी दिशा में धकेल सकती है जहां बाद में सिर्फ पछतावा ही हाथ लगता है..अलबर्ट आइंस्टीन को भला कौन नहीं जानता? आइंस्टीन केवल एक साधारण वैज्ञानिक ही नहीं थे, वे एक महान वैज्ञानिक और सिद्धांतकार थे। अपने क्रांतिकारी विचारों और खोजों से उन्होंने आधुनिक विज्ञान की दिशा ही बदल दी। उन्होंने कई ऐसे सिद्धांत दिए, जिनसे आज की तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और परमाणु ऊर्जा तक प्रभावित हुए हैं। सापेक्षता का सिद्धांत उनकी सबसे प्रसिद्ध खोज है। उन्होंने बताया कि समय, दूरी और गति स्थिर नहीं होते, बल्कि परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। इसी सिद्धांत की वजह से आज ब्लैक होल, गुरुत्वीय तरंगें और ब्रह्मांड की कई घटनाएं समझी जा सकीं। उनकी एक और प्रमुख खोज थी कि पदार्थ और ऊर्जा एक—दूसरे में बदले जा सकते हैं। इसी सिद्धांत ने आगे चलकर परमाणु ऊर्जा और परमाणु बम के विकास का रास्ता खोला। फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की उनकी खोज से सिद्ध हुआ कि प्रकाश केवल तरंग नहीं, बल्कि फोटॉन नामक छोटे—छोटे ऊर्जा कणों के रूप में भी काम करता है, इसी खोज के लिए उन्हें 1921 में नोबेल पुरस्कार मिला। सोलर पैनल, कैमरे के सेंसर, टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी बहुत सी तकनीकें इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। आइंस्टीन के इन सिद्धांतों के कारण ही आज प्रयोग होने वाले जीपीएस सिस्टम, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, लेजर तकनीक और सोलर ऊर्जा आदि के क्षेत्रों का विकास हो सका। आइंस्टीन को संगीत से बहुत प्रेम था और वे नियमित रूप से वायलिन बजाया करते थे। वे शांति के समर्थक थे और युद्ध के खिलाफ बोलते थे। यही कारण है कि आइंस्टीन को केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि मानव इतिहास के सबसे प्रभावशाली विचारकों में गिना जाता है। अल्बर्ट आइंस्टीन ब्रह्मांड के रहस्य समझा सकते थे— रोशनी, समय, गुरुत्वाकर्षण और इस दुनिया की बनावट तक, लेकिन उनके जीवन का एक दुखद अध्याय यह है कि वे अपने और अपने बेटे के बीच की दूरी कम नहीं कर सके। उनका छोटा बेटा एडुआर्ड बहुत भावुक, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली था। उसे कविता से प्रेम था, वह शोपां का संगीत बहुत सुंदर बजाता था, और मनोचिकित्सक बनने का सपना देखता था। आइंस्टीन उसे बहुत प्यार करते थे, लेकिन जब आइंस्टीन का विवाह टूटा, तब वे बेटे के जीवन में धीरे—धीरे दूर होते चले गए। वे चिन्—यों में तो पिता बने रहे, पर जीवन में साथ नहीं दे सके। बड़ा होने पर एडुआर्ड को मानसिक बीमारी हो गई। उसने अपना अधिकतर जीवन ज्यूरिख के एक मानसिक चिकित्सालय में बिताया। उस समय तक आइंस्टीन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो चुके थे और प्रिंस्टन में रहते थे। वे पैसे भेजते थे, कभी—कभी पत्र लिखते थे और बेटे का हाल पूछ लेते थे, लेकिन वे उससे फिर कभी मिलने नहीं गए। उनके स्वर्गवास के कई वर्षों बाद, आइंस्टीन के कागजों में एक ऐसा पत्र मिला, जो उन्होंने एडुआर्ड के लिए लिखा था, पर कभी भेजा नहीं। उस पत्र में उन्होंने याद किया कि बचपन में उनका बेटा कैसे शोपां बजाया करता था। फिर उन्होंने एक ऐसी पंक्ति लिखी, जिसने सब कुछ कह दिया— ‘मुझे तुम्हारे साथ और अधिक समय बिताना चाहिए था।’ मैं विचारों के पीछे भागता रहा, जबकि मुझे तुम्हारे पीछे भागना चाहिए था। वह पत्र कभी भेजा नहीं गया। एडुआर्ड उसे कभी पढ़ नहीं पाया। अपने अंतिम दिनों में एडुआर्ड अस्पताल में ही रहा। उसके बिस्तर के पास हमेशा अपने पिता की तस्वीर रखी रहती थी। जब आइंस्टीन की मृत्यु हुई, तब एडुआर्ड को यह समाचार दिया गया। वह लंबे समय तक चुप बैठा रहा। फिर वह कमरे में गया और शोपां का संगीत बजाने लगा। यह केवल आइंस्टीन की कहानी नहीं है। यह उन शब्दों की कहानी है, जिन्हें हम कहना चाहते हैं, उन फोन कॉल्स की कहानी है, जिन्हें हम टालते रहते हैं, उन चिन्—यों की कहानी है, जिन्हें हम कभी भेज नहीं पाते। जीवन के सबसे बड़े पछतावे अक्सर उन कामों के नहीं होते, जो हमने किए। वे उन भावनाओं के होते हैं, जिन्हें हमने महसूस तो किया, लेकिन कभी कह नहीं पाए। सच तो यह है कि मन की बातें कभी दबाकर नहीं रखनी चाहिए। इससे गलतफहमियां और मन में कल्पनाएं पैदा होती हैं। जब बहुत अधिक चुप्पी होती है, तब इनसान जरूरत से ज्यादा सोचने लगता है, इसलिए अपने भाव थोड़ा खुलकर व्यक्त करना सीखिए। हर व्यक्ति आपके मन की बात अपने आप नहीं समझ सकता। अगर हमें कुछ चाहिए तो हमें साफ—साफ कह देना चाहिए। नाराज होकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला हमारी चुप्पी समझ जाएगा। अगर हम किसी को पसंद करते हैं तो भी बताना चाहिए। मन ही मन दुखी होते रहने से कुछ नहीं बदलता।

पिता को कुल्हाड़ी से काट डाला

हत्या के बाद छत पर चढ़ा गोलू, चिल्लाते हुए बोला— पिता को मार डाला

गोरखपुर,संवाददाता। गुलरिहा के जंगल अयोध्या प्रसाद नौका टोला में हुई ब्रह्मदेव कन्नौजिया की हत्या ने परिवार के साथ गांववालों को भी गम में डुबो दिया है। परिवार वालों के अनुसार, आरोपी युवक का प्रेम प्रसंग टूटने और मां की मौत के बाद व्यवहार बदल गया था। गांव के लोगों के लिए यह यकीन करना मुश्किल है कि जिस बेटे को पिता ने पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी ने जान ले ली।

घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है। हर किसी की जुबान पर यही चर्चा रही कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आई। परिजन के अनुसार, आरोपी गोलू कन्नौजिया पिछले सात-आठ वर्षों से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। उसका इलाज भी चल रहा था। परिवार के लोग बताते हैं कि कुछ साल पहले तक उसका व्यवहार सामान्य था, लेकिन प्रेम प्रसंग टूटने के बाद वह भीतर ही भीतर टूट गया।

गांव की एक युवती से उसका लगाव था। युवती की शादी दूसरे स्थान पर हो जाने के बाद वह अवसाद और तनाव में रहने लगा। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बाद उसके स्वभाव में लगातार बदलाव आने लगा। उसने लोगों से मेल-जोल कम कर दिया था। कई बार वह बिना किसी कारण नाराज हो जाता, तो कभी घंटों अकेले बैठा रहता। परिवार ने उसका उपचार कराया लेकिन उसकी मानसिक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी।

छह माह पहले हुई थी मां की मौत

करीब छह माह पहले मां की मौत ने गोलू को एक और गहरा आघात दिया। परिजन के मुताबिक, मां के निधन के



गम में डूबा गुलरिहा
चार साल के पोते ने दी बाबा को मुखाग्नि, उजड़ गया पूरा परिवार

बेटे गोलू कन्नौजिया ने पिता ब्रह्मदेव कन्नौजिया ने पिता ब्रह्मदेव कन्नौजिया की हत्या की। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है। पिछले कुछ दिनों से गोलू का व्यवहार बदल गया था।

बाद वह पहले से अधिक गुमसुम रहने लगा था। अक्सर घर के एक कोने में चुपचाप बैठा रहता और किसी से बातचीत नहीं करता था। परिवार के लोग उसकी स्थिति को लेकर चिंतित थे लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि हालात इतने भयावह मोड़ ले लेंगे। उधर, रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर गए बेटों को हत्या की जानकारी मिली तो वह गांव के लिए रवाना हो गए।

आरोपी ने दरवाजा बाहर से किया बंद, भाभी छत से लगाती रही गुहार

ग्रामीणों के मुताबिक, वारदात के बाद

गोलू घर की छत पर चढ़ गया और शोर मचाते हुए लोगों से कहने लगा कि उसने अपने पिता की हत्या कर दी है। वह यह भी कह रहा था कि उसके पिता उसकी शादी कराने में बाधा बन रहे थे। वहीं वारदात के दौरान आरोपी ने बाहर से घर का दरवाजा बंद कर दिया। इससे घर में मौजूद उसकी भाभी बाहर नहीं आ सकीं। वह छत पर चढ़कर उसे वारदात से मना करने की गुहार लगाती रहीं लेकिन युवक नहीं माना।

गांव की एक युवती से था प्रेम प्रसंग

ग्रामीणों के अनुसार, गोलू तीन भाइयों में मझला है। उसका गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। कुछ समय पहले युवती की शादी अन्यत्र हो जाने के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से उसका व्यवहार भी असामान्य हो गया था।

अंतिम संस्कार के दौरान लोगों की नम हो गई आंखें

बृहस्पतिवार को मृतक के चार वर्षीय पोते कार्तिक ने अपने बाबा की चिता को मुखाग्नि दी।

यह देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। जिस उम्र में बच्चे खेलकूद और मासूम शरारतों में खोए रहते हैं, उस उम्र में कार्तिक ने अपने बाबा को अंतिम विदाई दी। ग्रामीणों का कहना है कि घटना ने पूरे गांववालों को भी भीतर तक झकझोर दिया है। परिवार की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के बुजुर्ग इसे परिवार पर टूटा सबसे बड़ा संकट बता रहे हैं।

यह है मामला

घर के बाहर चारपाई पर सो रहे पिता को कुल्हाड़ी से वार कर मार डाला गुलरिहा क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद नौका टोला में बुधवार देर रात पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। युवक ने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे पिता ब्रह्मदेव कन्नौजिया (51) पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। सिर और गर्दन पर कई वार किए जाने से ब्रह्मदेव की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी मझले बेटे गोलू को कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार कर लिया। दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया।

जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जंगल अयोध्या प्रसाद नौका टोला निवासी ब्रह्मदेव कन्नौजिया बुधवार रात भोजन के बाद घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। रात करीब सवा दो बजे उनके मझले बेटे गोलू कन्नौजिया का किसी बात को लेकर उनसे विवाद होने लगा। आरोप है कि गोलू के हाथ में कुल्हाड़ी थी और देखते ही देखते उसने पिता पर हमला कर दिया।

बाइक सवार युवक पर प्रारदार हथियार से हमलाकर हत्या

सिर धड़ से लटका; ग्रामीणों ने आरोपी का घर फूँका

संत कबीर नगर,संवाददाता। बभनी चौराहे पर आनंद (25) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के घर में आग लगा दी। इलाके में तनाव है, पुलिस बल तैनात है। यूपी के संतकबीरनगर के बखिरा थाना क्षेत्र के बभनी चौराहे पर बृहस्पतिवार की रात एक युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। युवक चौराहे से रात 8रु30 बजे के करीब बाइक से अपने गांव कोलकी चमरसन जा रहा था। इसी बीच बाइक से पीछा कर रहे आरोपी ने उसके गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे उसका सिर लटक गया और मौके पर ही युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कोलकी चमरसन निवासी आनंद (25) पुत्र इंद्रेश किसी काम से बभनी चौराहे पर आया था। यहां से वापस जाते समय आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी दूसरे समुदाय का है और बगल के गांव का निवासी बताया जा रहा है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने उसके घर पर धावा बोल दिया और घर में आग लगा दी, जिससे उसका घर धू-धूकर जल गया।

इससे पहले भीड़ को आता देख आरोपी के घरवाले फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। वहीं बभनी चौराहे पर इस वारदात के बाद कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल हो गया। डायल-112 पुलिस टीम के पहुंचने के बाद लोग थोड़े शांत हुए। घटना की वजह और आरोपी के बारे में अभी पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के थानों से भी फोर्स बुला ली गई है। इलाके में तनाव का माहौल है। जिले के आला अधिकारी भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं।

गोरखपुर रामगढ़ताल की सुरक्षा होगी मजबूत हर किलोमीटर पर तैनात रहेंगे पुलिसकर्म

संवाददाता, गोरखपुर। रामगढ़ताल की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। जागरण में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेकर पुलिस अधिकारियों ने यह कार्ययोजना तैयार की है। नई व्यवस्था के तहत हर एक किलोमीटर पर स्थायी रूप से दो-दो पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। साथ ही पूरे क्षेत्र की निगरानी के लिए सीसी कैमरे भी लगाए जाएंगे। पीआरवी वाहनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। जल पुलिस चौकी भी खोलने की तैयारी है। इसके लिए स्थान चिन्हित कर पुलिस अधिकारी ने जीडीए को पत्र लिखा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही यह व्यवस्थाएं धरातल पर लागू कर दी जाएंगी। 12 जून को किशोरी के रामगढ़ताल में डूबकर हुई मौत के बाद जागरण ने अपने समाचारीय अभियान के तहत सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल किए। 13 जून के अंक में नौकायन पर पर्यटन बढ़ा, पीछे छूटी सुरक्षा व्यवस्था शीर्षक से खबर प्रकाशित करते हुए बताया कि पूर्वांचल के बड़े पर्यटन स्थलों में शामिल रामगढ़ताल पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। सुबह की सैर से लेकर देर रात तक लोगों की भीड़ लगी रहती है। नौकायन, क्रूज, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड सेंटर और मनोरंजन की गतिविधियों ने इसे शहर का प्रमुख आकर्षण बना दिया है। इसके बावजूद जल सुरक्षा के नाम पर यहां कोई व्यवस्था नहीं है। हाल के वर्षों में हुई घटनाएं लगातार यह सवाल खड़ा कर रही है कि आखिल हजारों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसके भरोसे है? इसी क्रम में दूसरे दिन 14 जून के अंक में पर्यटन केंद्र रामगढ़ताल में रोमांच के बीच खतरे की हो रही अनदेखी, शीर्षक से खबर प्रकाशित कर बताया कि छात्रा के ताल में कूदने के बाद हुई मौत ने न



केवल जलाशय के बाहरी हिस्से बल्कि भीतर मौजूद सुरक्षा इंतजामो की हकीकत भी सामने ला दी है। प्रतिदिन हजारों पर्यटकों की मौजूदगी के बावजूद यहां पर किसी बड़े हादसे से निपटने के लिए कोई भी स्थायी टीम की तैनाती है। बीते वर्ष में हुए मोटर बोट हादसों को लेकर सुरक्षा इंतजाम पर कई सवाल खड़े किए। इन दोनों खबरों के प्रकाशित होने के बाद पुलिस प्रशासन ने रामगढ़ताल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था करने की तैयारी को लेकर कार्ययोजना तैयार की। पुलिस द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में दो मार्ग चिन्हित किए गए। इसमें पैडलेगंज से नौकायन तक ढाई किमी मार्ग पर रामगढ़ताल थाना से और आरकेबीके से पैडलेगंज तक ढाई किमी मार्ग पर कैंट थाने से हर एक किमी पर पुलिसकर्मियों की तैनाती सुबह से देर शाम तक की जाएगी। ये ड्यूटी के दौरान एक किमी परिधि में गश्त करते रहेंगे और देखेंगे कि कोई भी पर्यटक रेलिंग पार करके ताल के पास सेल्फी लेने न जा पाए।

मेरी जासूसी हो रही है मुझे जान का खतरा है..

गोरखपुर,संवाददाता। लेफ्टिनेंट कर्नल मनीषा तिवारी की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, 26 मई की रात करीब 8:45 से 8:55 बजे के बीच एम्स के गेट नंबर-4 के पास दो अज्ञात लोगों ने उनके निजी अनुचर (सेवक) गुरप्रीत सिंह को रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उससे मनीषा तिवारी और उनके परिवार के सदस्यों, उनके आने-जाने के समय, आवास तक पहुंचने के रास्तों के बारे में जानकारी मांगी। एम्स गोरखपुर में प्रतिनियुक्त भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल एवं अधीक्षण अभियंता मनीषा तिवारी ने अज्ञात लोगों पर जासूसी का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात लोगों ने उनके अनुचर को घेरकर परिवार के बारे में पूछा। लेफ्टिनेंट कर्नल ने गोपनीय दस्तावेज चोरी की आशंका और जान-माल का खतरा होने का आरोप लगाते हुए एम्स थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मनीषा तिवारी ने आरोप लगाया है कि एम्स में कार्यरत कुछ लोगों की मिलीभगत से पिछले करीब डेढ़ वर्ष से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने निजी और गोपनीय दस्तावेज चोरी किए जाने की भी आशंका जताई है। लेफ्टिनेंट कर्नल मनीषा तिवारी की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक,

26 मई की रात करीब 8:45 से 8:55 बजे के बीच एम्स के गेट नंबर-4 के पास दो अज्ञात लोगों ने उनके निजी अनुचर (सेवक) गुरप्रीत सिंह को रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उससे मनीषा तिवारी और उनके परिवार के सदस्यों, उनके आने-जाने के समय, आवास तक पहुंचने के रास्तों के बारे में जानकारी मांगी। शिकायत में कहा गया है कि जब गुरप्रीत सिंह ने घटना की सूचना देने के लिए मोबाइल से फोन करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उसे किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी गई। भयभीत होने पर वह वहां से चला गया। मनीषा तिवारी ने आशंका जताई है कि इस पूरे प्रकरण के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों की साजिश हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा है कि एक सैन्य अधिकारी को ब्लैकमेल कर अनुचित कार्य कराने की मंशा से ऐसी गतिविधियां कराई जा सकती हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर विषय है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओमान तट जहाज धमाका-साथी त्रिभुवन-नरेंद्र बोले, जहाज पर 2 विस्फोट हुए, आग में झुलसकर मरे शिवानंद

गोरखपुर,संवाददाता। दोनों साथियों ने बताया कि जहाज पर पीछे दो बहुत बड़ा विस्फोट हुआ, जहाज हिल गई। आग और धुएं का गुबार आसमान में उड़ने लगा। साथियों ने बताया कि विस्फोट होते ही हम लोग चिल्लाते हुए जहाज पर आगे भागे और सोच रहे थे कि फिर कहीं विस्फोट ना हो जाए। वॉकी टॉकी से बगल के जहाज पर सूचना दी गई।

10 जून को ओमान तट के पास पानी के जहाज पर अमेरिकी हमले में मारे गए शिवानंद के साथी और उसी जहाज पर साथ में काम करने वाले त्रिभुवन चौहान और नरेंद्र चौहान ने आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि सुबह 7:30 बजे ड्यूटी जाने के लिए हम लोग रूम में नाश्ता कर रहे थे। इसी दौरान जहाज पर पीछे दो बहुत बड़ा विस्फोट हुआ,

जहाज हिल गई। आग और धुएं का गुबार आसमान में उड़ने लगा। साथियों ने बताया कि विस्फोट होते ही हम लोग चिल्लाते हुए जहाज पर आगे भागे और सोच रहे थे कि फिर कहीं विस्फोट ना हो जाए। वॉकी टॉकी से बगल के जहाज पर सूचना दी गई। वहां से साढ़े तीन से चार घंटे बाद कंपनी की जहाज पहुंची और

सारे बचे हुए लोगों को लेकर बाहर आई। त्रिभुवन और नरेंद्र ने बताया कि शिवानंद की ड्यूटी दूसरे शिफ्ट में थी और वह इंजन के पास था। वह पूरी तरह से आग में झुलस गया था। साथियों के मुताबिक जहाज पर आग बुझाने की उचित व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई।

उन्नाव से योगी का विपक्ष पर तीखा हमला

कहा— सपा—कांग्रेस का माफियाराज रामायण के खर—दूषण जैसा था

संवाददाता, उन्नाव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह 10.30 बजे भौनीखेड़ा डीह में लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने जनपदवासियों को सड़क, शिक्षा, बिजली, पेयजल से जुड़ी 104 परियोजनाओं का तोहफा दिया। इन कामों में 19 परियोजनाओं का लोकार्पण किया जबकि, 82 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। सभी कामों की लागत 570.32 करोड़ है।

इसमें लोकार्पण की परियोजनाओं की कुल लागत 378.40 करोड़ है, जबकि, शिलान्यास वाली परियोजनाओं की कुल लागत 191.92 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरानी कहावत का जिक्र करते हुए सपा पर निशाना साधा।

कहा कि पहले नारा था देख सपाईं बिटिया घबराई। वह यहीं नहीं रुके, विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि पिछली सरकारें सिर्फ परिवार तक सीमित थीं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के लिए नेहरू व सपा के लिए सैफई परिवार ही सब कुछ था। आवाज उठाने वालों की आवाज बंद कर दी जाती थी। रामायण में खर व दूषण की तरह कांग्रेस व सपा में माफियाराज था। दोनों दल देश की दुर्गति के लिए जिम्मेदार हैं। दंगा—कर्फ्यू ग्रस्त प्रदेश बनाने वाले आज उपदेश दे रहे हैं, इनके दोहरे चरित्र पर हंसी आती है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्नाव के भौनीखेड़ा डीह पहुंचे। 19 परियोजनाओं का लोकार्पण, 82 का शिलान्यास किया। कुल 570.32 करोड़ की 101 विकास परियोजनाएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव के भौनीखेड़ा डीह में 19 परियोजनाओं का लोकार्पण और 82 का शिलान्यास किया। इन 101 परियोजनाओं की कुल लागत 570.32 करोड़

उन्होंने दावा किया कि उप्र पर प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ व मां गंगा का आशीर्वाद है और अब विकास का पहिया केवल लखनऊ या हजरतगंज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन्नाव

से होकर कानपुर तक जाएगा। विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज शौचालय, आवास, पेंशन, गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत योजना का लाभ बिना किसी सिफारिश के सीधे गरीबों तक पहुंच रहा है।

उन्होंने भाजपा सरकार के 10—12 वर्षों के काम की तुलना सपा—कांग्रेस से करते हुए कहा कि जो काम भाजपा ने किया है, वह ये दल कभी नहीं कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने लोगों को विकास परियोजनाओं की बधाई देते हुए कहा कि अब उन्नाव की कनेक्टिविटी फोरलेन की हो गई है। यहां से दिल्ली

व प्रयागराज के लिए सबको बाईपास करके पहुंचा जा सकता है। यहां तेजी से औद्योगिक क्लस्टर विकसित होंगे, जिससे जिले के युवाओं को अब रोजगार के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा, उन्हें यहीं काम मिलेगा। पिछली बार वादा किया था कि विकास की हर योजना उन्नाव तक पहुंचेगी। आज उन्नाव का व्यक्ति लखनऊ को बाईपास कर सीधे दिल्ली जा सकता है।

डिफेंस कारिडोर व एक्सप्रेसवे के पास उद्योग लगेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 700 एकड़ जमीन डिफेंस कारिडोर और इंडस्ट्रियल कारिडोर के लिए ली जा रही है। उन्नाव स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल किया जाएगा। अब जो विकास लखनऊ में होगा, वही उन्नाव में भी होगा।

लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक रैपिड रेल का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। विकास की योजना आज को नहीं, आगामी 100 वर्ष को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। मोदी के नेतृत्व में सभी संकट से निपटा गया है। संकट के लिए जिम्मेदार अमेरिका आज त्रस्त है, हमारा देश सुरक्षित है। आंतरिक सुरक्षा में संध लगाने वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है। गरीब, महिला, किसान और नौजवानों के लिए युद्धस्तर पर योजनाएं चल रही हैं। पहले की सरकार में सैफई को ही प्रदेश मान लेते थे।

चारपाई पर सो रहे पिता पर बेटे ने किया कुल्हाड़ी से हमला

गोरखपुर, संवाददाता। ब्रह्मदेव कन्नौजिया (55) रात में भोजन करने के बाद घर के बाहर सो रहे थे। इसी दौरान रात करीब दो से ढाई बजे के बीच उनके छोटे बेटे गोलू कन्नौजिया ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर ने सिर और गर्दन पर सात से आठ वार किए, जिससे ब्रह्मदेव ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जंगल अयोध्या प्रसाद गांव में बुधवार देर रात एक युवक ने अपने पिता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। वारदात उस समय हुई जब पिता घर के बाहर चारपाई पर गहरी नौद में सो रहे थे। सिर और गर्दन पर लगातार कई वार किए जाने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गांव निवासी ब्रह्मदेव कन्नौजिया (55) रात में भोजन करने के बाद घर के बाहर सो रहे थे। इसी दौरान रात करीब दो से ढाई बजे के बीच उनके छोटे बेटे गोलू कन्नौजिया ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर ने सिर और गर्दन पर सात से आठ वार किए, जिससे ब्रह्मदेव ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के दौरान हुई आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ हालत में ब्रह्मदेव को देखकर ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। रात करीब तीन बजे प्रभारी निरीक्षक जेपी पाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बैंक आफ इंडिया लाकर से सोने के 96 पैकेट गायब

पुलिस ने तीन कर्मचारी लिए हिरासत में

संवाददाता, फिरोजाबाद। बैंक ऑफ इंडिया की भारौल शाखा से ग्राहकों का गोल्ड लोन के लिए गिरवी रखा करोड़ों रुपये का सोना गायब होने के मामले में पुलिस ने शाखा प्रबंधक सहित तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 150 ग्राम सोना भी बरामद हुआ है। पूरे मामले में मुख्य चाबी धारक (हैड क्लर्क) की अहम भूमिका सामने आई है। उसी ने तिजोरी से बार—बार सोना निकाला। अरांव थाने में बैंक के आंचलिक प्रबंधक आगरा आदित्य प्रताप सिंह द्वारा बुधवार रात दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार बैंक का हैड क्लर्क और मुख्य चाबी धारक दिलीप कुमार निवासी गांव बासगांव, बकेवर, इटावा पिछले 27 मई से बिना बताए अनुपस्थित था। जिससे तिजोरी से संबंधित कार्य ठप था। उससे कोई संपर्क न हो पाने पर आगरा कार्यालय को जानकारी दी गई।

इसके बाद 15 जून को जोनल कार्यालय के वरिष्ठ सुरक्षा प्रबंधक अंकित और घिरोर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार को भारौल भेजा गया। घिरोर शाखा में रखी डुप्लीकेट चाबी से वीडियो रिकार्डिंग के साथ तिजोरी खोली गई तो उसमें सोने के



96 पैकेट गायब मिले।

पुलिस की गिरफ्त में बैंक से सोना चोरी करने के आरोपी

इसके बाद दिलीप के साथ ही तत्कालीन शाखा प्रबंधक संदीप यादव, निवासी गांव उमराय, हाल निवासी प्रोफेसर कालोनी, शिकोहाबाद और स्टाफ अधिकारी नरेश कुमार निवासी रायपुरा, करकोली, सादाबाद, हाथरस को नामजद किया गया। पुलिस ने तीन को गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर ऋषि कुमार ने बताया कि इनके पास से 150 ग्राम सोना बरामद किया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में दिलीप की मुख्य भूमिका नजर आई है। तिजोरी से हर बार सोना दिलीप ने ही निकाला। ये खेल एक वर्ष से चल रहा था। शाखा प्रबंधक और दूसरे कर्मचारी की भी इसमें मिलीभगत थी। तिजोरी की दूसरी चाबी इन्हीं दोनों के पास रहती थी।

ओम प्रकाश राजभर के बयान पर बलिया के सपा सांसद सनातन पांडे का पलटवार

संवाददाता, बलिया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर द्वारा समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने के संकेत दिए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मामले में बलिया से समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ओमप्रकाश राजभर को अपने दायरे में रहकर ही बात करनी चाहिए। सांसद सनातन पांडे ने कहा कि बलिया की पहचान हमेशा से बागी तेवर और संघर्ष की रही है। जब देश अंग्रेजों की गुलामी में था और युवा वर्ग खुलकर विरोध करने से हिचक रहा था, तब बलिया के वीर सपूत मंगल पांडे ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। उन्होंने अंग्रेजों की नीतियों का विरोध करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और स्वतंत्रता संग्राम की नींव मजबूत की।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले जिन तीन जनपदों ने स्वतंत्र होने का गौरव प्राप्त किया था, उनमें महाराष्ट्र का सतारा, उत्तर प्रदेश का बलिया और बंगाल का मेदिनीपुर शामिल था। इनमें भी बलिया की भूमिका अग्रणी रही थी। यही कारण है कि बलिया को आज भी बागी बलिया के नाम से जाना जाता है। सांसद ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का उल्लेख करते हुए कहा कि बलिया की धरती ने ऐसे नेतृत्व को जन्म दिया है, जिसने राष्ट्रीय राजनीति को दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि यदि लोकतंत्र, संविधान और देशहित की रक्षा के लिए संघर्ष की आवश्यकता पड़ी तो वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। जरूरत पड़ने पर वह नए मंगल पांडे की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार हैं। ओमप्रकाश राजभर और उपमुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष की आवाज दबाने के लिए विभिन्न संस्थाओं और एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां गरीबों, मजदूरों, शोषितों और वंचितों के हितों के खिलाफ हैं। सपा में टूट और 20 से 25 सांसदों के समर्थन संबंधी चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि देश के गरीबों और वंचित वर्ग की आवाज उठाने वाला कोई सांसद भाजपा के दबाव में नहीं आएगा। साथ ही उन्होंने चुनौतीपूर्ण अंदाज में कहा कि यदि किसी को भाजपा के कृत्यों का विरोध करना है तो उसे अपने पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच जाना चाहिए। अंत में उन्होंने ओमप्रकाश राजभर को संबोधित करते हुए कहा, ओमप्रकाश राजभर जी अपने दायरे में रहें और दायरे में रहकर ही बात करें।

वेस्ट यूपी में पाक गैंगस्टर शहजाद का नेटवर्क गहराया

संवाददाता, मेरठ। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के हैंडलर रिहान को गिरफ्तार किया है। शहजाद भट्टी का वेस्ट यूपी में बड़ा नेटवर्क है। पहले भी एसटीएफ ने शहजाद भट्टी के इंस्टाग्राम एकाउंट से जुड़े मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और बिजनौर के 23 युवक पकड़े थे, जिन्हें पूछताछ कर छोड़ दिया था। एटीएफ वैष्णोधाम कालोनी के तुषार चौहान, अजीम राणा, आजाद राजपूत, सुहेल और गणेश को जेल भेज चुकी है। उक्त सभी युवक शहजाद भट्टी और सरफराज डोगरा

को देश के विभिन्न क्षेत्रों के वीडियो बनाकर भेजते थे। जांच एजेंसियां अभी तक पाकिस्तान के दो गैंगस्टर सरदार सरफराज डोगर और शहजाद भट्टी का नाम सार्वजनिक कर पाई हैं। उक्त दोनों यहां के किशोरों और बेरोजगार युवकों से देश से जुड़ी अहम जानकारी जुटा रहे हैं। सरफराज डोगर ने सुभारती विश्वविद्यालय के पीछे गोपाल विहार में रहने बिजनौर के सुहेल और गणेश गिरी को जबकि शहजाद भट्टी ने हापुड़ के अजीम राणा और मेरठ के जेई गांव निवासी आजाद राजपूत को गुप में जोड़ा।

मुख्तार की जमीन पर बने योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर अवैध का नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में माफिया मुख्तार की जमीन पर बने योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर जबरदस्त टि्वट आया है। सिंचाई विभाग ने इनमें अवैध का नोटिस लगा दिया है। राजधानी लखनऊ के डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी की जमीन पर एलडीए ने भवन बनाया है। यह सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

लेकिन, अब इसमें जबरदस्त टि्वट आ गया है। इन भवनों में सिंचाई विभाग ने नोटिस लगा दिया है। इसमें लिखा कि ये भवन अवैध रूप से बनाए गए हैं। बताते चलें कि सिंचाई विभाग ने एलडीए की डालीबाग की सरदार वल्लभभाई पटेल योजना को अतिक्रमण बता दिया है। इसे सिंचाई विभाग की जमीन बताते

हुए इन पर तोड़ने का नोटिस चस्पा कर दिया था। हालांकि, एलडीए के लोगों ने नोटिस को छिपा दिया है। यदि सिंचाई विभाग का दावा सही निकलता है तो इस 72 प्लेटों की योजना पर संकट आ जाएगा। यह योजना माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर लाई गई है। करीब छह महीने पहले मुख्यमंत्री ने अपने

हाथों से ही योजना के आवंटियों को आवंटन पत्र वितरित किए थे। गृह प्रवेश का सामान भी दिया था। हालांकि, अभी तक किसी आवंटी का गृह प्रवेश नहीं हो पाया है। उनको कब्जे नहीं मिले हैं। नोटिस के बाद बृहस्पतिवार को सिंचाई विभाग का दस्ता ध्वस्त करने पहुंचा। इस दौरान स्थानीय लोगों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के बीच झड़प हुई।



राम मंदिर दान चोरी

दान के साथ जमीन खरीद भी सवालों के घेरे में
एसआईटी ने खंगाली पत्रावलियां, बड़ा शक का दायरा

अयोध्य, संवाददाता। राम मंदिर में दानराशि के उपयोग और भूमि खरीद के बीच संभावित संबंधों को समझने के लिए एसआईटी विभिन्न स्तरों पर रिकॉर्ड खंगाल रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में कथित गड़बड़ी की जांच कर रही एसआईटी की पड़ताल अब नए मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। सूत्रों के अनुसार जांच टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से वर्ष 2021 से अब तक की गई भूमि खरीद से संबंधित पत्रावलियों और अभिलेखों का भी परीक्षण शुरू कर दिया है।

सूत्रों का दावा है कि दानराशि के उपयोग और भूमि खरीद के बीच संभावित संबंधों को समझने के लिए एसआईटी विभिन्न स्तरों पर रिकॉर्ड खंगाल रही है। खरीद प्रक्रिया, भूमि का मूल्यांकन, भुगतान की प्रक्रिया और संबंधित पक्षों की भूमिका की जांच की जा रही है। इस क्रम में तीन लोगों से पूछताछ किए जाने की भी जानकारी सामने आ रही है।

बताया जा रहा है कि कुछ मामलों में बाजार मूल्य और खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को लेकर भी सवाल उठे हैं। सूत्रों के मुताबिक भूमि खरीद से संबंधित फाइलों, अनुमोदनों, भुगतान अभिलेखों और राजस्व रिकॉर्ड का मिलान किया जा रहा है। हालांकि अभी तक किसी भी अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही एसआईटी अथवा

प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि भूमि खरीद के दौरान निर्धारित प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन किया गया था या नहीं। फिलहाल ट्रस्ट की ओर से पूर्व में सभी भूमि खरीद और वित्तीय लेनदेन को नियमानुसार एवं पारदर्शी बताया जाता रहा है।

नजूल भूमि 24 करोड़ में खरीदने के दावे की भी पड़ताल

जांच के दौरान कुछ भूमि सौदों को लेकर उठे सवालों की भी पड़ताल की जा रही है। हाल ही में आम आदमी पाटढ़ के सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर जमीन खरीद से संबंधित दस्तावेज साझा करते हुए आरोप लगाया था कि करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य की एक भूमि का सौदा राम मंदिर ट्रस्ट ने लगभग 24 करोड़ रुपये में किया। एसआईटी संबंधित दस्तावेजों, मूल्यांकन रिपोर्टों और भुगतान रिकॉर्ड का परीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है।

अक्तूबर से फरवरी तक खरीदी गई 71 एकड़ जमीन

राम मंदिर ट्रस्ट की 21 मार्च को हुई बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार ट्रस्ट ने अक्तूबर 2025 से 28 फरवरी 2026 के बीच कुल 71 एकड़ जमीन खरीदी है। जमीन खरीद पर कुल पांच करोड़ 69 लाख 48 हजार 650 रुपये व्यय किए गए। बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार 2691 वर्गफुट जमीन 43.34 लाख रुपये, 5974 वर्गफुट जमीन 94.17 लाख रुपये, 12,378 वर्गफुट जमीन 2.54 करोड़ रुपये तथा 9788 वर्गफुट जमीन 1.54 करोड़ रुपये में खरीदी गई। इन जमीनों से संबंधित पत्रावलियों की भी एसआईटी जांच कर रही है।

दान राशि में हेराफेरी

जांच में सामने आ रहे चौंकाने वाले तथ्य, बड़ा खुलासा संभव

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की राशि में गबन के आरोपों की जांच जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी 15 जून से लगातार जांच कर रही है। संदिग्ध लोगों से लेकर मंदिर के ट्रस्टी तक से पूछताछ की जा रही। दूसरी तरफ गबन को लेकर रोज नए-नए दावे भी किए जा रहे हैं। दान की राशि के गबन से शुरू बात राम लला के मुकुट से लेकर जमीन की खरीद में भारी हेरफेर के आरोपों तक पहुंच चुकी है।



राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर योगी का पहला बयान

मुख्यमंत्री ने अयोध्या दौरे के दौरान मंदिर में चढ़ावे से जुड़े विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, जो निष्पक्ष तरीके से तथ्य सामने लाएगा। साथ ही सभी पक्षों से अपील की कि वे ऐसी टिप्पणियों से बचें, जिनसे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हों। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को पहली बार अयोध्या पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 1857 के बाद अंग्रेजों ने देश के युवाओं को दबाने का प्रयास किया, लेकिन युवा दबा नहीं। चौरी-चौरा, काकोरी ट्रेन को अंजाम दिया। अंग्रेज ज्यादा दिन ठहर नहीं पाए। आज यह देश आजाद है। नए उत्तर प्रदेश में हम रहे हैं। झलकारी बाई ने देश की आजादी के लिए फिर्गियों को नाको चने चवाने के लिए मजबूर कर दिया था। राष्ट्र नायकों का सम्मान करना राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करता है। हमारी सरकार ने महारानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अनेक अभियान प्रारंभ कराया। हमने वीरांगनों के नाम पर 3 पीएसी की यूनिट बनाए हैं। यह वीरांगना झलकारी बाई, अवंतीबाई, उदादेवी पासी के नाम पर हैं। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन तीनों बटालियन में सिर्फ बेटियां ही भर्ती होंगी। सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहते हैं राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले और राम के नारे लगाने पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। अयोध्या के बारे में समाचार पत्रों से सुनने को मिला। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। लेकिन, मैं सभी पक्षों से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे।

सपा पर जमकर बरसे योगी

सीएम योगी ने कहा, अब हर गरीब के घर में फ्री में शौचालय बन रहा है। जिन लोगों ने 2017 के पहले शासन किया था। आखिर उन्होंने कामाख्या धाम को नगर पंचायत क्यों नहीं बनाया। यहां की सड़कें क्यों नहीं बनाई। क्यों गरीब को तब राशन नहीं मिल पाता था। क्योंकि, उन लोगों में संवेदना और इच्छाशक्ति नहीं थी। उनके लिए आपके कोई मायने नहीं। सिर्फ परिवार ही उनके लिए सबकुछ है। नौकरी मिलेगी तो उनके खानदान को, सुविधा मिलेगी तो उनके खानदान को, वो वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगवाते, क्योंकि उनको कब्रिस्तान की बाउंड्री से ही फुर्सत नहीं मिलती थी। उनकी सोच ही कब्रिस्तान तक सीमित थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनगरी अयोध्या पहुंचे। 245 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और अयोध्या के विकास व राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। हाल ही में चर्चा में आए राम मंदिर चढ़ावा मामले पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच चल रही है और जल्द दूध और पानी का पानी हो उन्हीं ने भरोसा दिलाया को किसी भी कीमत पर नहीं जाएगा। समाजवादी (सपा) को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते कि अयोध्या का वैश्विक स्तर पर नाम हो।



चोरी के ने साफ एसआईटी ही शूद्ध का जाएगा। कि दोषियों बख्शा पार्टी

ओपी राजभर का बड़ा दावा सपा में हो सकती है बड़ी टूट

रामगोपाल वर्मा ने अमित शाह को लिखा यह पत्र



लखनऊ, संवाददाता। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर ने बड़ा दावा करते हुए समाजवादी पार्टी में टूट की बात कही है। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर बड़ा हमला बोलते हुए दावा किया है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में जल्द ही एक बहुत बड़ी टूट देखने को मिल सकती है। समाचार एजेंसी एनआई से बातचीत के दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि अब अगला नंबर उत्तर प्रदेश का है, क्योंकि जब कोई बिकने के लिए तैयार होता है, तभी उसे खरीदा जाता है। राजभर ने सपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर रामगोपाल यादव पर सीधा निशाना साधते हुए दावा किया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक गुप्त पत्र भेजा है, जिसमें कुछ नाम देकर उन्हें अपने साथ ले जाने और खुद को सुरक्षित रखने की बात कही गई है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अखिलेश यादव को घेरते हुए कहा कि सीबीआई ने अवैध खनन मामले में उनका नाम दर्ज किया है, और सवाल उठाया कि गोमती रिवरफ्रंट घोटाले में अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया। राजभर के इस बयान ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को रौंदा छह महिलाओं की मौत, तीन घायल

मृतकों के नाम
राजकुमारी (55 वर्ष) पत्नी डालसिंह निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला
गंगा श्री (32 वर्ष) पत्नी वीरपाल निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला
रेवती (80 वर्ष) पत्नी रामचंद्र निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला
प्रेम देवी (45 वर्ष) पत्नी रामचंद्र सिंह निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला
नारायणी देवी (32 वर्ष) पत्नी जितेंद्र निवासी गुलाबगड़ी आरती



बदायूं। बदायूं जिले में कछला और उझानी के बीच हाईवे पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में छह महिलाओं की मौत हो गई। रेंस लगा रहे दो ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत तीन लोग घायल हुए हैं। बदायूं के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। दो ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही से छह महिलाओं की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर और ट्रॉलियों का कब्जे में लिया है। चालकों की तलाश शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही डीएम और एसएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

भूलपुर क्षेत्र में हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक कछला और उझानी के बीच भूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेंस लगा रहे थे। तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग जुट गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया।

हादसे में रिक्शा चालक सनी (32 वर्ष), डाल सिंह (58 वर्ष) समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद उनके चालक मौके से भाग गए। पुलिस ने दोनों चालकों की तलाश शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में पता लगा है कि दोनों ट्रैक्टर चालक हाईवे पर रेंस लगा रहे थे। इसी बीच ई-रिक्शा दोनों ट्रैक्टरों की चपेट में आ गया।

1250 श्रीराम शिलाएं गायब



अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर के चंदे में चोरी के मामले में धर्मसेना के संस्थापक और श्रीराम मंदिर आंदोलन से जुड़े संतोष दुबे ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सोने-चांदी, हीरे और अष्टधातु की 1250 श्रीराम शिलाएं गायब हैं। उन्होंने थाने में तहरीर भी दी है। लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ है। न ही ट्रस्ट ने आरोपों पर कोई जवाब दिया है। श्रीराम मंदिर की दान राशि गबन के मामले के बीच एक और बड़ा दावा सामने आया है। धर्मसेना के संस्थापक और श्रीराम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे संतोष दुबे ने दावा किया है कि देश-विदेश से पूजित होकर अयोध्या लाई गई सोने, चांदी, हीरे और अष्टधातु की 1250 श्रीराम शिलाएं गायब हो चुकी हैं।

यह हर किसी को सकते में डालने वाला आरोप है। संतोष ने थाने में तहरीर दी है। इसमें उन्होंने गबन मामले में ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कर्मचारियों पर आरोप लगाए हैं। उधर, टिन्कू के घर से करोड़ों रुपये का सोना बरामद होने की भी चर्चा है।

संतोष के मुताबिक, ये शिलाएं ढाई दशक पहले तक कारसेवकपुरम में थीं। साथ में मिट्टी की भी शिलाएं रखी गई थीं। अब वहां सिर्फ मिट्टी की शिलाएं हैं, जबकि कीमती शिलाएं गायब हो चुकी हैं। संतोष का कहना है कि सोने, चांदी, हीरे और अष्टधातु की शिलाओं की देखरेख की जिम्मेदारी ट्रस्ट के महासचिव की थी। ऐसे में सवाल यह है कि जिम्मेदारी तय होने के बाद भी ये शिलाएं कहां गायब हो गईं। संतोष ने बताया कि वर्ष 1989 में श्रीराम मंदिर आंदोलन के दौरान अभियान चलाकर घर-घर से चंदा इकट्ठा किया गया था। पूजित शिलाएं भी मांगी गई थीं, जिनका इस्तेमाल मंदिर



निर्माण में होना था। उन्हें हीरे, सोने, चांदी व अष्टधातु की शिलाओं का लेखाजोखा तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस काम में उनके साथ संघ के कई पदाधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि तब सबसे कीमती शिला मॉरीशस से आई थी। इसके अलावा कई व्यापारियों ने सोने और हीरे जड़ित शिलाएं भी दी थीं।

इस पर भी सवाल...

संतोष ने बताया कि पांच फरवरी 2020 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बना था। न्यास को इसी में समाहित कर दिया गया था। उस दौरान ट्रस्ट के खाते में साढ़े आठ करोड़ रुपये दिखाए गए थे। उनका आरोप है कि उस समय भी कीमती शिलाओं का कोई जिक्र नहीं किया गया था। संतोष ने सीधे तौर पर महासचिव चंपत राय पर आरोप लगाए हैं। हालांकि संतोष ने जो आरोप लगाए हैं, उनकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। वे सिर्फ उनके मौखिक आरोप हैं। अब देखना होगा कि पुलिस उनकी तहरीर पर कार्रवाई करती है या नहीं।

2027 चुनाव से पहले अखिलेश की ब्राह्मण वोटों पर नजर

अचानक से बुलाई अहम बैठक, सपा की नई रणनीति

लखनऊ, संवाददाता। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी ने सामाजिक समीकरण मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और विभिन्न वर्गों के बीच संवाद बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारी, बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। समाजवादी पार्टी ने 2027 यूपी चुनाव को देखते हुए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में अगस्त माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों और संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, गोरखपुर जिले के कार्यकर्ताओं के साथ अलग से बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में इन मुद्दों पर होगी चर्चा

सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी ब्राह्मण समाज के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में पार्टी अगस्त में होने वाले कार्यक्रमों को बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी में है। बैठक में इन आयोजनों की रूपरेखा,

समाजवादी ब्राह्मण सभा की बैठक



- ब्राह्मण समाज को जोड़ने की रणनीति पर मंथन
- जनेश्वर मिश्र जयंती भव्य रूप से मनाने का फैसला
- गोरखपुर में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

जिम्मेदारियों के बंटवारे और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

चर्चा के दौरान समाजवादी विचारधारा के प्रमुख नेता रहे जनेश्वर मिश्र की जयंती को भी भव्य तरीके से मनाने की योजना पर मंथन किया गया। पार्टी नेताओं का मानना है कि इस आयोजन के माध्यम से समाजवादी मूल्यों और सामाजिक समरसता का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा।

बैठक में उपस्थित नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद बढ़ाने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन और सामाजिक सहभागिता के बल पर समाजवादी पार्टी आगामी चुनावी मुकाबले

में बेहतर स्थिति हासिल कर सकती है।

जो इंडिया गठबंधन था, वही रहेगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के सवाल पर कहा कि जो इंडिया गठबंधन था, वही इंडिया गठबंधन रहेगा और इसने अभी भाजपा को हराया है। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा, ऐसे बहुत से लोग आएंगे, और बहुत सी रुकावटें आएंगी।

ऐसे सभी लोग भाजपा को फायदा पहुंचाना चाहते हैं। उधर, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। भाजपा सरकार के बनाए हर कॉरिडोर और चौड़ीकरण की योजना के पीछे जो घपला-घोटाला है, उसके लिए एक बहुसदस्यीय न्यायिक जांच हो।



टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले ने की खुदकुशी

• मुंबई के नालासोपारा में अपने घर पर सुसाइड किया

• प्राइम टाइम, सावधान इंडिया और ये है आशिकी जैसे शोज़ में आ चुकी हैं नज़र

• एक्ट्रेस के सुसाइड की खबर से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर



'कुमकुम भाग्य' फेम
Sanchita Ugale ने की खुदकुशी

फूलों का झुमका



एंटरटेनमेंट डेस्क। अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा! भोजपुरी इंडस्ट्री का चर्चित नाम, जिन्होंने कई टीवी सीरियल में भी काम किया है। मोनालिसा अपनी एक्टिंग को लेकर जितनी चर्चा बटोरती हैं, उससे ज्यादा सुर्खियां उन्हें अपने लुक की वजह से मिलती हैं। सोशल मीडिया पर वे अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। आज मंगलवार को मोनालिसा ने दिलकश फोटोज साझा किए हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इनमें वे व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस पहनी हैं, जिस पर फ्लॉवर प्रिंट डिजाइन है। अभिनेत्री बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने सफेद फूलों को झुमकों की तरह कानों में अटकाया हुआ है। मोनालिसा तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वे नियमित वर्कआउट करती हैं। मोनालिसा के इस लुक पर नेटिजंस तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, बेहद आकर्षक। स्टाइल में आपका मुकाबला नहीं। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी एक्टर विक्रान्त सिंह से हुई है। दोनों को बीते दिनों द 50 शो में देखा गया था।

फ्लावर प्रिंट ड्रेस...और खूबसूरती का जादू

बालकनी में मोनालिसा ने दिए दिलकश पोज

अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इनमें वे फ्लावर प्रिंट ड्रेस में स्टाइलिश पोज देती दिख रही हैं।



कौन हैं 'राख' वेब सीरीज की सुमन

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में रिलीज हुई अली फजल की वेब सीरीज 'राख' बीते कुछ दिनों से काफी चर्चाओं में है। इसमें दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार निभाया है, जिनका अपहरण हो जाता है और सीरीज की पूरी कहानी उन्हें ढूंढने और अपराधी को पकड़ने के इर्द गिर्द घूमती है। दिव्या शर्मा एक नई और उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने हाल ही में आई क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'राख' में 'सुमन' का किरदार निभाकर काफी ध्यान खींचा है। इस सीरीज में उनका रोल बेहद अहम है, क्योंकि कहानी सुमन और उसके भाई के अचानक गायब होने के इर्द-गिर्द घूमती है। दिव्या ने इस किरदार को बहुत ही सादगी और इमोशन के साथ निभाया है, जिससे दर्शकों पर गहरा असर पड़ा है।

एक्टिंग से बनाई अलग पहचान

सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने

भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। इसके बाद पूरी कहानी उनकी तलाश और इस रहस्य को सुलझाने पर आधारित होती है। दिव्या शर्मा की एक्टिंग इस किरदार में काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है।

दिव्या शर्मा के पिछले प्रोजेक्ट

इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आई थीं। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं। इससे पहले वे ककून नाम की मिनी सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

राख सीरीज के बारे में

वेब सीरीज शराखर रिलीज हो चुकी है। यह सीरीज 1978 के कुख्यात रंगा-बिल्ला केस से प्रेरित है, जिसे भारत के सबसे खोफनाक अपराधों में गिना जाता है।

आपने सभी फैंस का दिल तोड़ दिया

संचिता उगले की खुदकुशी से दुखी हुआ फैन

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी की बेहतरीन अभिनेत्री संचिता उगले ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। उन्होंने अपने घर में साड़ी के सहारे छत वाले पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। जब यह हादसा हुआ तब वह घर पर अकेली थीं। घटना के बाद परिवार वाले उन्हें अस्पताल ले कर गए। मगर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उनकी खुदकुशी पर उनके फैंस ने दुख जताया है।

संचिता के निधन पर फैन दुखी

सोशल मीडिया पर संचिता उगले के एक फैन ने उनके आत्महत्या करने पर दुख जताया है। फैन ने पोस्ट की है और अभिनेत्री को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। फैन ने कहा कि अभिनेत्री ने अपने हजारों फैंस का दिल तोड़ा है। उन्होंने दंगल चैनल को एक अहम मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा संचिता उगले जी आप एक बेहतरीन अभिनेत्री थीं। आपके फैंस इस वक्त जिस हालत में होंगे उनके बारे में आप उम्मीद भी नहीं कर सकतीं।

टीवी एक्ट्रेस और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे फेम संचिता उगले ने आत्महत्या कर ली है। वह सिर्फ 30 साल की थीं। संचिता टीवी और फिल्मों, दोनों में अपने किरदारों के लिए जानी जाती थीं। वह हिट डेली सोप कुमकुम भाग्य और विककी कौशल स्टारर फिल्म छावा का हिस्सा थीं।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

रिपोर्ट्स के मुताबिक, संचिता का शव 15 जून की सुबह मुंबई स्थित घर में संचिता उगले ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उनका शव पंखे से लटका हुआ बरामद किया गया है। पुलिस को मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, इसीलिए उनके सुसाइड का मामला गंभीर हो गया है। संचिता के सुसाइड की खबर के 20 घंटे पहले ही उन्होंने अपना एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वे हंसती खेलती नजर आ रही हैं। वीडियो में संचिता ने हाथ में एक कैमरा पकड़ा हुआ है और वे रील बना रही हैं। उन्होंने ये रील स्टूडेंट ऑफ द ईयर के गाने राधा गाने पर बनाई है।

गंभीर के पसंदीदा गेंदबाज की वनडे टीम में वापसी



स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने घुटने की चोट से उबरने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले टीम इंडिया में वापसी कर ली है।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। राणा फरवरी में सर्जरी के बाद लंबे समय से क्रिकेट से दूर थे, जिसके चलते वह टी20 विश्व कप और आईपीएल 2026 से भी बाहर रहे। अब सवाल यह है कि सीरीज पहले ही जीत चुकी भारतीय टीम उन्हें अंतिम मुकाबले में मौका देती है या नहीं। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी भारतीय टीम को तीसरे मुकाबले से पहले अच्छी खबर मिली है। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को चेन्नई में खेले जाने वाले अंतिम वनडे के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसकी आधिकारिक घोषणा की। राणा ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

चोट के कारण लंबे समय तक रहे बाहर

24 वर्षीय हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान दाएं घुटने में लीगामेंट स्ट्रेन हुआ था। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। इस चोट के कारण राणा टी20 विश्व कप 2026 और आईपीएल 2026 दोनों से बाहर हो गए थे। ऐसे में उनकी वापसी

भारतीय टीम के लिए राहत की खबर है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बयान में कहा, हर्षित राणा ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और वह चेन्नई में वनडे टीम के साथ जुड़ गए हैं।

गंभीर के पसंदीदा गेंदबाजों में गिने जाते हैं हर्षित

हर्षित राणा को भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भरोसेमंद खिलाड़ी माना जाता है। कोलकाता नाइट राइडर्स में गंभीर के मार्गदर्शन में राणा ने अपनी पहचान बनाई थी और उनकी आक्रामक गेंदबाजी ने चयनकर्ताओं का ध्यान भी खींचा। यही वजह है कि फिट होते ही उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

किसकी जगह मिलेगा मौका?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर भारत अंतिम वनडे में बदलाव करता है तो हर्षित राणा किसकी जगह खेलेंगे? सीरीज भारत पहले ही जीत चुका है, इसलिए टीम प्रबंधन बेंच स्ट्रेथ को आजमा सकता है। तेज गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और गुरनूर बरार विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। अर्शदीप अपेक्षाकृत अनुभवी गेंदबाज हैं और उन्हें आराम दिया जा सकता है। वहीं प्रिंस यादव और गुरनूर बरार अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन युवा खिलाड़ियों के बीच रोटेशन कर सकता है।



श्रीसंत का गंभीर पर बवाली बयान...

धोनी को मेंटर बनाने की रखी डिमांड, कहा- कोच बदलो...

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रहा है। कई क्रिकेट एक्सपर्ट टीम की ताकत गिनाते हैं तो कुछ कमियां भी निकालकर मैनेजमेंट के फैसलों पर सवाल खड़े करते हैं। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत ने डंके की चोट पर गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठाकर अपने बयान से खलबली मचा दी है। भारतीय क्रिकेट इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रहा है। कई क्रिकेट एक्सपर्ट टीम की ताकत गिनाते हैं तो कुछ कमियां भी निकालकर मैनेजमेंट के फैसलों पर सवाल खड़े करते हैं। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत ने डंके की चोट पर गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठाकर अपने बयान से खलबली मचा दी है। उन्होंने टीम इंडिया की कोचिंग में बदलाव की डिमांड कर दी, साथ ही एमएस धोनी का नाम मेंटर के तौर पर सुझाया है।

लल्लनटॉप पर बातचीत के दौरान, श्रीसंत से पूछा गया कि हाल के सालों में टेस्ट क्रिकेट में भारत को संघर्ष क्यों करना पड़ा है। भारत को 2024 में न्यूजीलैंड और 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इसके जवाब में श्रीसंत ने कहा कि ये दोनों हार गंभीर के कार्यकाल में हुईं और उन्होंने कहा कि उन्हें गंभीर के कोचिंग के तरीके से समस्या है।

क्या बोले श्रीसंत?
श्रीसंत ने कहा, कोच बदलो, दोस्त। भारत को कोच की नहीं, मेंटर की जरूरत है। आपको पहले एक भाई की तरह होना होगा। आप सिर्फ जीतने पर खुशी और हारने पर गुस्सा नहीं हो सकते। आपने देश के लिए अच्छा किया है, यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे कोशिश नहीं कर रहे हैं। कोच के बजाय मेंटर रखें।

गंभीर प्लेयर्स पर बनाते हैं प्रेशर
उन्होंने आगे कहा, गंभीर खिलाड़ियों पर बहुत अधिक दबाव। टीम को ऐसे नाम की जरूरत है जो दबाव न डालें। ऐसा कुछ जो धोनी नहीं करते थे। टीम इंडिया को धोनी जैसे मेंटर की जरूरत है। जब टीम ने वर्ल्ड कप जीता, तो सारा श्रेय गंभीर को मिला। लेकिन अगर संजू सैमसन नहीं होते, सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी नहीं की होती और सही समय पर गेंदबाजी में बदलाव नहीं किए गए होते, तो क्या हम मैच जीत पाते? क्या कोच मैदान पर फैसले ले रहे थे? अगर हमारे पास आशीष नेहरा जैसा कोच हो, जो लगातार शामिल रहता है, तो यह ठीक है।



दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बकसीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मेटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

कौन हैं प्रेमा रावत?—24 साल की लेग स्पिनर को मिला टी20 विवकप का टिकट

स्पोर्ट्स डेस्क। महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच भारत को बड़ा झटका लगा है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पटिल टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह 24 वर्षीय लेग स्पिनर प्रेमा रावत को पहली बार भारतीय सीनियर टीम में शामिल किया गया है। प्रेमा हाल के महीनों में इंडिया-ए और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर यह नई खिलाड़ी कौन हैं, जिन पर विश्व कप जैसे बड़े मंच पर भरोसा जताया गया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप के बीच बड़ा झटका तब लगा जब श्रेयंका पटिल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। हालांकि चयनकर्ताओं ने ज्यादा इंतजार नहीं किया और उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को टीम में शामिल कर लिया। यह पहली बार है जब प्रेमा को भारतीय सीनियर महिला टीम में जगह मिली है। 24 वर्षीय स्पिनर के लिए यह करियर का सबसे बड़ा मौका माना जा रहा है।

कैसे मिली टीम इंडिया में जगह?
प्रेमा रावत पिछले कुछ समय से इंडिया-ए और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही



भारत की नई मिस्ट्री स्पिनर पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुनी गई प्रेमा रावत

थीं। वह इंग्लैंड दौरे पर गई इंडिया-ए टीम का भी हिस्सा थीं, लेकिन श्रेयंका के बाहर होने के बाद उन्हें सीधे विश्व कप टीम में बुला लिया गया। चयनकर्ताओं ने उनकी हालिया फॉर्म और विकेट लेने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला लिया। एशिया कप में दिखाया था दम प्रेमा रावत ने हाल ही में आयोजित राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारत-ए के लिए आठ विकेट लिए और पूरे टूर्नामेंट में मात्र 4.27 की इकॉनमी से गेंदबाजी की। उनके प्रदर्शन की बदौलत भारत-ए ने खिताब भी जीता। इसी टूर्नामेंट के बाद उन्हें भविष्य की संभावित राष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में देखा जाने लगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क। पुर्तगाल के विश्व कप 2026 के पहले मैच में डीआर कांगो के खिलाफ ड्रॉ के बाद सबसे ज्यादा आलोचना क्रिस्टियानो रोनाल्डो की नहीं, बल्कि ब्रूनो फर्नांडीस की हो रही है। सोशल मीडिया पर हजारों प्रशंसकों ने ब्रूनो पर आरोप लगाया है कि वह रोनाल्डो को पर्याप्त पास नहीं देते और टीम के सबसे बड़े स्टार के लिए मौके नहीं बनाते। कुछ वायरल आंकड़ों ने इस बहस को और हवा दी है। हालांकि इन दावों की पूरी कहानी क्या है और क्या वाकई ब्रूनो पुर्तगाल की समस्या हैं? यही इस बहस का सबसे दिलचस्प पहलू है। फीफा विश्व कप 2026 में डीआर कांगो के खिलाफ पुर्तगाल की निराशाजनक शुरुआत के बाद सोशल मीडिया पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। आमतौर पर जब पुर्तगाल उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता तो सवाल क्रिस्टियानो रोनाल्डो की उम्र या उनकी फिनिशिंग पर उठते हैं, लेकिन इस बार निशाने पर मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडीस हैं। कई पुर्तगाली फैंस का मानना है कि रोनाल्डो को मैच में पर्याप्त मौके नहीं मिले और इसके लिए टीम के मुख्य प्लेमेकर ब्रूनो जिम्मेदार हैं। यही वजह है कि ड्रॉ के बाद ब्रूनो के इंस्टाग्राम पोस्ट पर हजारों टिप्पणियां आने लगीं।